



118
26/12/88

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 169]
No. 169]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 23, 1988/ भाद्रपद 1, 1910
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 23, 1988/BHADRA 1, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1988

सार्वजनिक सूचना सं. 1 पी.आर.एन.पी./88

का० सं० 2/9/88-एम.पू.सी. :—अप्रैल, 1988—मार्च, 1991 के लिए आयात और निर्यात नीति के परिशिष्ट-5, भाग-ख के पैरा 6 के अनुसार भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय एतद्-द्वारा अनुसूचक में दिए अनुसार लाइसेंसिंग बर्ष अप्रैल, 1988-मार्च, 1989 के लिए प्रखारी कागज आबंटन नीति अधिसूचित करती है।

के.एस. बैरवान, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट

प्रखारी कागज आबंटन नीति, 1988-89

1. लागू होना

यह नीति, ऐसे संशोधनों जो समय-समय पर अधिसूचित किए जा सकते हैं, के अर्थात् रहते हुए, लाइसेंसिंग बर्ष 1988-89 के दौरान प्रखारी कागज के आबंटन पर लागू है जिस पर आयात और निर्यात

2155 G1/88

(1)

(निर्यात) अधिनियम, 1947, आयात (निर्यात) अधिनियम, 1955 और प्रखारी कागज निर्यात अधिनियम, 1962 (समय-समय पर यथा संशोधित) लागू हैं।

2. परिभाषा

2.1 इस नीति में समय-समय पर यथा संशोधित प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 में यथा परिभाषित "समाचारपत्र" का अर्थ ऐसी कोई भी मुद्रित, नियतकालिक कृति होगी जिसमें साप्ताहिक समाचार या सार्वजनिक समस्यारों पर टिप्पणियाँ अपनी हैं।

2.2 इस नीति में प्रयुक्त शब्द "प्रखारी कागज" से ऐसे क्रोम, कांच पेपर और ऐसे सुपर कैपेण्डर क्रोम कांच पेपर शामिल हैं जो इस नीति के अन्तर्गत भारत के समाचारपत्रों के पंजीकरण द्वारा आवंटित किए जाएंगे।

3. पाठ्यता

3.1 औपचारिक आवेदन प्रस्तुत करने पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीकरण द्वारा प्रखारी कागज का आवंटन उन समाचारपत्रों को किया जाएगा जो समय-समय पर यथा संशोधित प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 के अंतर्गत उपबंधों के अनुसार भारत के समाचारपत्रों

के पंजीयक के कार्यालयों में पंजीकृत हैं। नया पंजीकृत समाचारपत्र प्रखबारी कागज के आवंटन के लिए पंजीकरण की तारीख अथवा आवेदन-पत्र की तारीख से, जो भी बाद में हो, पात्र होगा।

3.2 कोई समाचारपत्र प्रखबारी कागज के आवंटन के लिए तब पात्र होगा जब दैनिक समाचारपत्र के मामले में उसकी नियमितता 90 प्रतिशत और अन्य प्रावधिकता के मामले में 66 2/3 प्रतिशत होगी, सिवाए उन मामलों के जिनमें नियमितता दी गई गिरावट प्रकाशक के नियंत्रण से परे के कारणों से अर्थात् हड़ताल, साताबंदी, काम धीरे करना, दिखली की कमी या इसी प्रकार के कारणों से आई हो।

3.3 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्रखबारी कागज का आवंटन निम्नलिखित के लिए भी प्राधिकृत किया जा सकता है :—

- (1) समाचार एजेंसियों द्वारा टेलीग्रिफों पर समाचार का प्रेषण,
- (2) समाचारपत्रों द्वारा मूद्रण परीक्षण, और
- (3) कालेजों और स्कूलों की पत्रिकाओं का मुद्रण।

3.4 प्रकाशनों की निम्नलिखित श्रेणियाँ, चाहे ये भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में समाचारपत्रों के रूप में पंजीकृत हों, इस नीति के अन्तर्गत प्रखबारी कागज के आवंटन के लिए पात्र नहीं होंगे :—

- (1) मुख्यतः वस्तुओं अथवा सेवाओं से विक्री को बढ़ावा देने के लिए प्रकाशित पत्रिकाएँ,
- (2) उपक्रमों/कर्मों/बीद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली धरेलू पत्रिकाएँ/मैगजीन,
- (3) मुख्य सूचियाँ, सूचीपत्र निर्देशिकाएँ तथा लाटरी समाचार,
- (4) दोड़ गाइडें, और
- (5) सैक्स मैगजीन।

4. हकदारी

4.1 किसी समाचारपत्र/प्रावधिक पत्रिका की लाइसेंसिंग वर्ष 1988-89 के लिए प्रखबारी कागज की मूल हकदारी का निर्धारण उसके पिछले वर्ष के दौरान प्रखबारी कागज की खपत, औसत वार्षिक प्रसार संख्या, औसत पृष्ठ संख्या, औसत प्रकाशन दिवसों की संख्या तथा प्रकाशित औसत पृष्ठक्षेत्र के आधार पर किया जाएगा। लाइसेंसिंग वर्ष की हकदारी 365 दिन के हिसाब पर लगाई जाएगी,। वर्ष 1987-88 के दौरान राइटिंग और प्रिंटिंग पेपर आदि पर की गई खपत हिसाब में तभी की जाएगी जब कि वह भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा आवंटित प्रखबारी कागज की मात्रा से अधिक हो।

4.2 समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र के सभी संस्करणों का अर्थात् जिनका बही नाम हो, बही प्रावधिकता हो उसी भाषा में प्रकाशित होते हों और उनका स्वामी बही हो अथवा उरी जगह से या भिन्न-भिन्न जगहों से प्रकाशित हो, को एक साथ मिला दिया जाएगा और उनकी श्रेणी तथा प्रखबारी कागज की हकदारी का हिसाब सभी संस्करणों को एक साथ मिलाकर निष्पादन विवरण के आधार पर लगाया जाएगा।

4.3 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा जिस समाचारपत्र/प्रावधिकपत्र को प्रसार संख्या का बाधा असिद्ध घोषित कर दिया गया है, वह प्रखबारी कागज के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक उसकी प्रसार संख्या उसी वर्ष में या अनुवर्ती वर्ष के लिए पुनः सिद्ध न हो जाए। उन समाचारपत्रों/प्रावधिक पत्रों के मामले में जिनके प्रसार संख्या भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक ने पहले बाधा की गई प्रसार संख्या से कम निर्धारित किया है उनकी हकदारी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा निर्धारित प्रसार संख्या के आधार पर निकाली जाएगी। ऐसे समाचारपत्र/प्रावधिक पत्र लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान परिशोधन के हकदार नहीं होंगे। उस समाचारपत्र/प्रावधिक पत्र के मामले में जिसके बारे में यह पता जाता है कि उसने अपने निष्पादन अथवा प्रसार संख्या का असत्य

विवरण दिया है उसे विशिष्ट अवधि, जो एक वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है के लिए नीचे दशाएँ गए तरीके से प्रखबारी कागज के आवंटन से वंचित किया जा सकेगा :—

असत्य	के लिए वंचित
(1) 10 प्रतिशत तक	छूट
(2) 10 प्रतिशत से अधिक एवं 25 प्रतिशत तक	3 महीने
(3) 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत तक	6 महीने
(4) 50 प्रतिशत से अधिक एवं 75 प्रतिशत तक	9 महीने
(5) 75 प्रतिशत से अधिक	एक वर्ष

4.4 (क) जो नया आवेदक प्रथम बार प्रकाशन शुरू करता है या अथवा प्रथम बार भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन करता है उसकी चार महीनों के लिए प्रखबारी कागज के उतने प्रारम्भिक कोटे का अनुमति दी जाएगी जितना आवेदक द्वारा बताई गई प्रसार संख्या से संतुष्ट होने पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा निर्धारित किया जाए। किन्तु वह दैनिक समाचारपत्रों के मामले में आठ मानक पृष्ठों (2480 वर्ग सें.मी.) के प्रति प्रक को 10,000 (दस हजार) प्रतियों और प्रावधिक पत्रों के मामले में 16 मानक पृष्ठों से अधिक नहीं होगा। प्रखबारी कागज का प्रारम्भिक कोटा प्राप्त करने वाले समाचारपत्र द्वारा प्रखबारी कागज जारी करने के तीन महीने के बाद एक प्रखबारी के अन्तर आवंटित प्रखबारी कागज के उचित प्रयोग का प्रमाण कार्य एन.पी.-2 में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उसके बाद लाइसेंसिंग वर्ष के लिए उसकी हकदारी का निर्धारण वास्तविक निष्पादन के आधार पर किया जाएगा तथा बाकी कोटा यदि कोई हो, आपाधिक रूप से आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने पर रिलीज किया जाएगा।

4.4 (ख) ऐसा समाचारपत्र जो गत वर्ष प्रखबारी कागज के लिए आवेदनपत्र प्रस्तुत करने में असफल रहा हो उसे नया आवेदक समझा जाएगा जब तक यह असफलता प्रकाशक के नियंत्रण से परे के कारणों से न हो तथापि, प्रखबारी कागज आवंटन के लिए ये प्रावधान ऐसे समाचारपत्रों पर लागू नहीं होगा जिनका आवंटन मिलाकर एक कर दिया है।

4.4 (ग) प्रखबारी कागज के आवंटन के लिए ऐसा समाचारपत्र नया आवेदक समझा जाएगा जिसने अपने समाचारपत्रों की प्रावधिकता में परिवर्तन किया हो।

4.4 (घ) नया आवेदक अपने आवेदनपत्र को भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में प्राप्त होने की तिथि से प्रखबारी कागज प्राप्त करने का हकदार होगा।

4.5 समाचारपत्र की प्रसार संख्या का निर्धारण (क) बिक्री प्रतियों की संख्या और (ख) निःशुल्क वितरित प्रतियों की संख्या, बिना बिक्री जोटाई गई या मुद्रित किन्तु न तो बिक्री और न ही निःशुल्क वितरित की गई प्रतियों की संख्या को हिसाब में लेकर किया जाएगा, बशर्ते कि ये संबंधित मूद्रण आदेश की निम्नलिखित प्रतिशतता से अधिक न बढ़ें :—

प्रसार संख्या	दैनिक/त्रि और द्वि साप्ताहिक	साप्ताहिक और पत्रिका	ग्रन्थ
5,000 तक	10 प्रतिशत	15 प्रतिशत	20 प्रतिशत
5,001 से 10,000 तक	10 प्रतिशत	10 प्रतिशत	15 प्रतिशत
10,000 से अधिक	5 प्रतिशत	5 प्रतिशत	10 प्रतिशत

4.6 मूल हकदारी निकालने में भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, जैसा वे प्रत्येक मामले में उचित समझें और सामान्य औसत खपत पर विचार करके निम्नलिखित की उम्मीद कर सकते हैं:—

- (1) प्रसारसंख्या में असाधारण अल्पकालिक गिरावट, जो विशेष परिस्थितियों, जिनमें हड़ताल/तालाबन्दी या इसी प्रकार के अन्य कारण शामिल हैं, से हुई हों, और
- (2) प्रतियोगी समाचारपत्रों के बन्द होने/उनके कार्य में व्यवधान हो जाने या किन्हीं अन्य असाधारण परिस्थितियों से प्रसार संख्या में असाधारण वृद्धि:—

4.7 यदि किसी समाचारपत्र ने किसी भी पिछले वर्ष के दौरान अपने को आवंटित अखबारी कागज की किसी मात्रा का उपयोग नहीं किया है तो अप्रयुक्त मात्रा को उसकी 1988-89 की प्रकृति में से काट लिया जाएगा।

4.8 समाचारपत्रों की छीजन की क्षतिपूर्ति के रूप में निम्नलिखित सीमा तक अतिरिक्त अखबारी कागज दिया जाएगा:—

- (1) सभी समाचारपत्रों के लिए 5 प्रतिशत।
- (2) बहुतरंगी मुद्रण के मामले में आवधिक पत्रों के लिए 7 प्रतिशत।

4.9 छीजन की क्षतिपूर्ति को मिलाकर आयातित अखबारी कागज और स्वदेशी कागज के लिए समाचारपत्रों की मूल हकदारी 50 ग्राम प्रति वर्ग मीटर के आधार पर तिकाती जाएगी। अखबारी कागज ग्रामों के अनुसूचित अनुमानिक अनुपात के बावजूद ही सही रूप से जारी किया जाएगा।

5. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

5.1 अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन पत्र प्रकाशक द्वारा या इस निमित्त उसके द्वारा विविक्त प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा फार्म एन. पी.-1 फॉर्म एन. पी.-2 में दिए जाने चाहिए और वे भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, बैस्ट ब्लॉक-8, विंग-2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली को संबोधित किए जाने चाहिए।

5.2 अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन पत्र के साथ (क) फार्म एन. पी.-2 में पिछले वर्ष का निष्पादन विवरण का प्रमाण-पत्र (ख) फेब्रुअरी वर्ष 1987 के वार्षिक विवरण की एक प्रति जो सब तरह से पूर्ण हो तथा (ग) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा उल्लिखित समाचारपत्र के अंकों की नमूना प्रति। जिस समाचारपत्र की औसत प्रसार संख्या प्रति प्रकाशन विषय 2,000 प्रतियों से अधिक है, उसका निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र आर्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा विविक्त हस्ताक्षरित होना चाहिए।

5.3 प्रारम्भिक कोटे के लिए आवेदन-पत्र समाचारपत्रों द्वारा पैरा 4.4 (क) द्वारा फार्म एन.पी.3 में दिया जाना चाहिए।

प्रस्तुत तारीख

1 वर्ष 1988-89 के लिए अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन-पत्रों के प्राप्त होने की प्रस्तुत तारीख 30 नवम्बर, 1988 है।

6.2 इसके बाद प्राप्त होने वाले सभी आवेदन-पत्र प्रवीक्षित किए जा सकते हैं। तथापि, आवेदक द्वारा बंध कारण दिए जाने पर और वेरी आवेदक के कारण न हो तो भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक गुणागुण अनुसार आवेदन पर विचार कर सकते हैं। ऐसे मामलों में अखबारी कागज भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में आवेदन प्राप्त होने की तारीख से दिया जाएगा।

7. अखबारी कागज का आवंटन

7.1 अखबारी कागज का आवंटन साधारणतः रीलों में किया जाएगा। तथापि, शीट फीड मशीन पर मुद्रित होने वाले समाचारपत्र ही अपनी हकदारी केवल शीटों में प्राप्त करेंगे। यदि शीटें आलस्य नहीं हैं तो वह प्रमाण देने पर कि मुद्रण वास्तव में शीटों में ही हुआ है, रीलों को शीटों में बदलने के लिए हकदारी में 5 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।

7.2 200 मीट्रिक टन या उससे कम हकदारी वाले समाचारपत्रों को स्वदेशी या आयातित अखबारी कागज की पूरा या आंशिक रूप में उठाने का विकल्प होगा।

7.3 (क) जिस समाचारपत्र को हकदारी 200 मीट्रिक टन से अधिक है, उसके लिए अखबारी कागज का आवंटन निम्नानुसार होगा:—

आयातित	32 प्रतिशत
मैसूरपेपर मिल्स लि.	17 प्रतिशत
हिन्दुस्तान न्यूजप्रिंट मिल्स लि. (केरल)	19 प्रतिशत
तमिलनाडू न्यूजप्रिंट एण्ड पेपर्स लि.	17 प्रतिशत
नेशनल न्यूजप्रिंट एण्ड पेपर लि. (नेपा)	15 प्रतिशत

उपरोक्त प्रतिशतता विदेशात्मक है। आयातित अखबारी कागज सभी दिशा जाएगी बशर्ते कि विदेशी मुद्रा उपलब्ध हो। आयातित अखबारी कागज की उपलब्धता में कमी होने पर समाचारपत्र को भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा दिए गए समस्त आवंटन में से क्रम बॉक्स पेपर लेने का विकल्प होगा।

7.3 (ख) श्री राजलक्ष्मी पेपर मिश्र प्रा. लि. द्वारा उत्पादित अखबारी कागज, इस नीति के पैरा 9 में उल्लिखित बकाया मात्रा के लिए उपयोग में लाया जाएगा और गुणागुण के आधार पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा तबसे आवंटन का निर्णय लिया जाएगा।

7.4 आयातित अखबारी कागज का 25 प्रतिशत राज्य व्यापार नियम के बफर स्टॉक से उठाया जाना चाहिए। जिन समाचारपत्रों/आवधिकों की वार्षिक हकदारी 50 मीट्रिक टन या उससे कम है उनको पूरी मात्रा या आंशिक मात्रा बफर स्टॉक से उठाने का विकल्प होगा।

7.5 केवल उन आवधिक पत्रों को ही जिनका प्रकाशन नियमित रूप से होता रहा है और उनकी बहुतरंगी मुद्रण की आवश्यकता हो, उनको ग्लेड अखबारी कागज और/या सुपर कोलेण्डर क्रॉस बॉक्स पेपर आवंटित किया जा सकता है, बशर्ते कि वह अपलब्ध हो। नए आवेदनों पर गुणागुण आधार पर विचार किया जाएगा।

7.6 उस नए आवेदक को, जो पहली बार प्रकाशन प्रारम्भ कर रहा है या अथवा भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के पास पहली बार अखबारी कागज के लिए आवेदन करता है, उसको आवेदन-पत्र प्रस्तुत होने की तारीख से पहले बाष्क मास के लिए केवल स्वदेशी अखबारी कागज ही आवंटित किया जाएगा। आगे की हकदारी को केवल तब ही रिलीज किया जाएगा जब इस बात का प्रमाण दे दिया जाएगा कि स्वदेशी अखबारी कागज का रिलीज किया गया कोटा पंजीयक समाचारपत्र द्वारा वास्तव में उठा लिया गया है और संबंधित समाचारपत्र ने उसको खपत कर ली है।

7.7 ऐसे कारणों में क्या अखबारी कागज की उपलब्धता, जबरन हस्त के अनुसूचन या अन्य किसी कारण से विविक्त स्रोतों से आवंटन पंजीयक/परिचरान किया जा सकता है।

7.8. यदि राज्य व्यापार निगम को "लैटम आर्क क्रेडिट" के प्राप्त होने के 120 दिन के भीतर पीत लदान कार्यान्वित नहीं हो जाता तो अनुपातिक मात्रा को हाई सी सेल के आधार पर बफर स्टॉक में आवंटित करने का प्रयत्न किया जाएगा जिसकी वाद में प्रतिपूर्ति की जाएगी।

8. वितरण

8.1 आयातित अखबारी कागज के वितरण संबंधी कार्य पूर्णतया राज्य व्यापार निगम द्वारा उस प्रकार से किया जाएगा, जिन प्रकार इस नीति के अनुसार तथा अखबारी कागज नियंत्रण आदेश, 1962 के उपबंधों के अनुपालन में भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा।

8.2 जिस समाचारपत्र को हाई सी सेल के आधार पर आवंटन किया जाता है उसे सीधे या अपने विधिवत् प्राधिकृत एजेंट/एजेंटों की मार्फत डिलीवरी देने की अनुमति होगी।

8.3 औपचारिक आवेदन के साथ पिछले प्राधिकार पत्र के अनुसार आवंटित अखबारी कागज को उठाए जाने के प्रमाण-पत्रकी प्राप्ति पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अखबारी कागज की हकदारी के प्राधिकार पत्र विमाही आधार पर जारी करेगा। स्वदेशी अखबारी कागज की हकदारी के लिए प्राधिकार पत्र सीधे संबंधित मिलों को जारी किए जाएंगे। यदि किसी समाचारपत्र की वार्षिक हकदारी 50 मीट्रिक टन या इससे कम है तो भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अपने विवेक में इस प्रकार के समाचारपत्रों को वार्षिक आधार पर या जैसा भी अन्यथा उपयुक्त समझा जाए, अखबारी कागज का आवंटन कर सकता है।

8.4 समाचारपत्र की प्रथम आवंटन हाई सी सेल अथवा बफर स्टॉक अथवा स्वदेशी मिलों से प्राधिकार पत्र के जारी होने की तारीख से 3 माह के भीतर उठाना होगा। जहां कहीं भी लागू हो समाचारपत्रों के लिए यह आवश्यक है कि वह पहले स्वदेशी मात्रा उठाए। अनुवर्ती तिमाहियों के लिए आवंटन पिछले तिमाही (या) के दौरान उठाए गए अखबारी कागज के आधार पर किया जाएगा और निर्धारित स्वदेशी अखबारी कागज मिलों में से तहां उठाई गई मात्रा के अनुपात में आयातित अखबारी कागज रोक लिया जाएगा। लाइसेंसिंग वर्ष के अंत में स्वदेशी कागज को न उठाने के कारण आयातित अखबारी कागज की जितनी भी मात्रा रोक दी गई हो, वह स्वदेशी कागज की न उठाई गई मात्रा सहित, मिलने से बंचित हो जाएगी।

8.5 प्रत्येक मामले में गुणावगुण के आधार पर विचार करते हुए भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्राधिकार के पुनर्विचारण की अनुमति लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान दी जाएगी।

8.6 यदि यह पाया जाए कि किसी समाचारपत्र ने उस स्वदेशी अखबारी कागज को, उसे आवंटित है, के उठाने के बारे में झूठा प्रमाण-पत्र दिया है तो उसे निश्चित अवधि, जो एक वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, के लिए अखबारी कागज के आवंटन से बंचित किया जा सकता है।

9. बकाया मात्रा

9.1 वर्ष 1986-88 को अखबारी कागज आवंटन नीति के तहत

9.1 के अनुसार वर्ष 1982-83 से 1985-86 तक की बकाया मात्रा की न दी गई मात्रा की तीसरी बार अंतिम किस्त 1988-89 की लाइसेंसिंग अवधि में केवल उन्ही समाचारपत्रों को दी जाएगी जिन्होंने उक्त बकाया मात्रा की पहली और दूसरी किस्त उठा ली हो। स्टैण्डर्ड अखबारी कागज की बकाया मात्रा स्वदेशी स्रोतों में दी जाएगी जबकि ग्लेज्ड उसी क्रिसम में दिया जाएगा।

9.2 अखबारी कागज की बकाया मात्रा के आवंटन के लिए आवेदन पत्र बकाया मात्रा की दूसरी किस्त उठा लिए जाने के प्रमाण सहित भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को 30 सितम्बर, 1989 तक लिखित रूप में भेज दिए जाने चाहिए।

10. अखबारी कागज का अप्राधिकृत प्रयोग

यद्यपि संबंधित समाचारपत्र का स्वामित्व वहां हो या उसको अपनी हकदारी हकट्टे लेने की अनुमति दी गई हो तो भी कोई समाचारपत्र अखबारी कागज न तो हस्तांतरित कर सकता है और न ही दूसरे समाचारपत्र से प्राप्त कर सकता है। तथापि, भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अपने विवेक से अखबारी कागज को अधिक से अधिक तीन महीने की अवधि के लिए एक समाचारपत्र में दूसरे समाचारपत्रों को उधार के तौर पर हस्तांतरित करने की अनुमति दे सकते हैं बशर्ते कि हस्तांतरण-कर्ता और हस्तांतरी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को ऐसे मामले की सूचना 30 दिन के अन्दर भेज दें। कोई भी समाचारपत्र जो ऐसे अप्राधिकृत कार्य में लगा हो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है जिसके अन्तर्गत उसकी हकदारी को मात्रा में से पूरी या आंशिक कटौती की जा सकती है।

11. खपत के संबंध में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना

11.1 जिस समाचारपत्र को अखबारी कागज का आवंटन किया जाता है वह भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को फार्म एन.पी.-2 में वर्ष 1988-89 का निष्पादन ब्यौर प्रमाण-पत्र 30 जून, 1989 तक प्रस्तुत करेगा। यदि प्रसार संख्या 2,000 प्रतियों प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हो तो चार्टर्ड एकाउन्टेड से विधिवत् प्रमाणित होना चाहिए।

11.2 जिस समाचारपत्र का प्रकाशन निलम्बित या बन्द हो जाता है वह प्रकाशन निलम्बन/बन्द होने से एक महीने के भीतर फार्म एन.पी.-2 में निष्पादन ब्यौर प्रमाण-पत्र भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेगा। वह अनुपुत्र अखबारी कागज भी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के निर्देशों के अनुसार वापस करेगा।

12. वृद्धि दर और संशोधन

12.1 लाइसेंसिंग वर्ष के लिए अखबारी कागज को समस्त मांग का निर्धारण करते समय नए आवश्यकताओं और लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान प्रसार संख्या की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए 5 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान किया जाएगा। तथापि प्रत्येक मामले पर गुणावगुण के अनुसार विचार किया जाएगा।

12.2 जिस समाचारपत्र को वर्ष 1988-89 के लिए मूल हकदारी प्राप्त हो गई हो वह इसके प्रसार और पुष्कों में बढ़ोतरी के आधार पर अधिक आवंटन के पुनर्विचार के लिए वर्ष में एक बार आवेदन कर सकते हैं बशर्ते कि ऐसे आवेदन के साथ चार्टर्ड एकाउन्टेड द्वारा विधिवत् प्रमाणित निष्पादन प्रमाण फार्म एन.पी.-2 में भेजा गया हो (जहां प्रसार 2000 प्रतियों से अधिक हो) और जो 30 नवम्बर, 1988 को 8 महीने से कम अवधि का न हो। ऐसे आवेदन-पत्र भिन्न-भिन्न तारीखों के अंकों को समूचा प्रतियों सहित भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1988 तक पहुंच जाने चाहिए।

12.3 लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान हकदारी पर पुनर्विचार के कारण उत्पन्न हुई अखबारी कागज की अतिरिक्त आवश्यकता निर्धारित स्वदेशी अखबारी कागज मिलों से पूरी की जाएगी; जहां तक ग्लेज्ड अखबारी कागज का प्रश्न है ऐसी अतिरिक्त आवश्यकता भी स्वदेशी स्रोतों जैसे गुपर कैलेण्डर कौमबोव पेपर की स्वदेशी क्रिसम, से पूरी की जाएगी।

13. अपवाद

इस नीति में किसी बात के होते हुए भी भारत सरकार का सूचना और प्रसारण मंत्रालय समुचित और पर्याप्त कारणों से किसी भी अपेक्षा को छोड़ सकता है या इनमें से किसी भी उपबन्ध में छूट दे सकता है।

14. फार्म

फार्म एन.पी.-1, एन.पी.-2 तथा एन.पी.-3 के नमूने संलग्न हैं।

फार्म—एन. ए. -1

अखबारी कागज के आवंटन के लिए समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों के लिए आवेदन फार्म

भाग— I

1. समाचार/नियतकालिक पत्र का नाम
तथा भाषा और आवधिकता :
2. स्वामी का नाम और पता :
3. प्रकाशन का नाम :
4. प्रकाशन का स्थान :
5. मुद्रण का स्थान :
6. (क) जिला जहाँ से समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र नियमित रूप से प्रकाशित हो रहा है :
(ख) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा की गई पंजीकरण संख्या :
(ग) जिला मजिस्ट्रेट के यहाँ नवीनतम घोषणा पत्र दाखिल किए जाने की तारीख :
7. संबंधित का प्रकार अर्थात् साप्ताहिक/निजी स्वामित्व आदि तथा निदेशकों/भागीदारों आदि का नाम :
8. समाक्ष राश्ट्र/नियतकालिक पत्रों का नाम तथा अन्य विवरण जिनके आप स्वामी हैं :

समाचार पत्र का नाम	भाषा तथा नियतकालिकता	प्रकाशन का स्थान	यस सरकार द्वारा अखबारी कागज मिलता है
1	2	3	4

9. वर्ष 1988-89 के लिए अपेक्षित अखबारी कागज की मात्रा/मूल्य:

10. (क) प्रसंगिक विवरण आवश्यकताएँ :
(ख) अधिकृत एजेंट का नाम यदि कोई हो :

11. वर्ष 1987-88 के दौरान खपत किया गया अखबारी कागज का विवरण:

मद संख्या	मात्रा मीट्रिक टनों में	किस्म	स्रोत	मूल्य
1	2	3	4	5

12. पिछला लाइसेंसिंग वर्ष जिसमें भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय से अखबारी कागज लिया गया था (आयातित तथा स्वदेशी अखबारी कागज की मात्रा का उल्लेख कीजिए) :

13. (क) मशीन की किस्म :

(ख) अब बारी कागज रीलों में या शीटों में चाहिए :

(ग) प्रेषित रीलों/शीटों का आकार :

घोषणा

1. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य और सही हैं, । मैं/हम यह भी प्रति समझता हूँ/समझते हैं कि मुझे/हमें जो भी आइटम प्रस्तुत विवरण के आधार पर दिया जाएगा, यदि यह सिद्ध हो जाता है कि दिए गए विवरण गलत या झूठ हैं, जो बहु किसी अन्य जुमाने के अलावा, जो सरकार लगा सकती है अथवा अन्य कोई कार्यवाही, जो की जा सकती है मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रख कर रद्द करने योग्य है।

2. मैं/हम यही घोषणा करता हूँ/करते हैं कि अगर अब बारी कागज का आइटम किया जाता है तो यह केवल हमारे ऊपर दिए गए पते के प्रेस प्रकाश/संस्थान में प्रयुक्त होगा।

मैं/हम यह भी अच्छी तरह समझता/समझते हैं कि चारणी बद्ध की गई मशीनों का आइटम चारणीबद्ध एजेंसियों के जरिए आयात व्यापार निबंधन विनियम के अन्तर्गत किया जाता है और जिन शर्तों पर माल की निर्यात उपयोग के लिए की जाती है ऐसी वस्तुओं के किसी दुरुपयोग करने के उत्संयत प आयात तथा निर्यात निबंधन अधिनियम 1947, यथा संबंधित तथा उसके अन्तर्गत निर्गम आदेश की व्यवसायों की और आकृष्ट होगा।

4. मैंने/हमने आयात नीति/आयात निर्यात प्रक्रिया 1988-91 की हस्त-पुस्तिका के प्रासंगिक उपबन्धों को नोट कर लिया है।

स्थान :

प्रकाशक के हस्ताक्षर

तारीख :

नाम स्पष्ट अक्षरों में

पता

एन.पी.-2

1-4-87 से 31-3-88 तक की अवधि के लिए प्रसार आदि संबंधी निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र का फार्म

1. समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का नाम :
2. प्रकाशन का स्थान :
3. भाषा :
4. प्राधिकृतता (पीरियोडिसिटी) :
5. महीने के दौरान :

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	वर्ष औसत
87	87	87	87	87	87	87	87	87	88	88	88	

1. वास्तविक प्रकाशन दिवसों की संख्या :
2. प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित प्रतियों की औसत संख्या :
3. प्रति प्रकाशन दिवस बेची गई प्रतियों का औसत संख्या :
4. प्रति प्रकाशन दिवस मुद्रित बिल-रित (मानार्थ बाउन्डर, बिनि-मय, बोनस, नमूनाएं कार्यालय प्रतियों सहित) की गई प्रतियों की औसत संख्या :
5. अनबिल के वापिस की गई और अन्य मुद्रित प्रतियों की औसत संख्या जो (3) और (4) में शामिल नहीं की गई।

भाग 2(एन.पी.-1)

प्रायकर घोषणा

(अ) उन व्यक्तियों के संबंध में जिनकी प्राय कर योग्य नहीं है। मैं/हम एतद्वारा गत्य निष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं, कि मैं/हम किसी भी प्रायकर एवं प्रथिम कर के उत्तरदायी नहीं हूँ/हैं क्योंकि मेरी/हमारी आय, जामू लेखा वर्ष एवं गत बार सेवा वर्षों में उस उच्चतम सीमा से कम रही है जिस पर प्रायकर नहीं लगता।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में जिनकी प्राय प्रायकर योग्य है। मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि--

- (1) मैंने/हमने अपनी आज तक की आय से अपनी/हमारी देय राशि का ब्योरा/ब्योरे प्रायकर विभाग को वे बिया है।
- (2) मैंने/हमने उन्हें कर माँगों को छोड़कर जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वयं कर दिए गए हैं, के प्रतिरिक्त शेष सभी करों सहित भ्रमभी कर जो ह. पर प्रायकर अधिनियम के अन्तर्गत देय थे उनका भुगतान कर दिया है।
- (3) मैं/हम प्रायकर/संगति कर छिपाने के आरोप में गत तीन कमण्डर वर्षों दौरान दण्डित*सिद्ध दोष प्रेषित नहीं किया गया/किए गए हैं।
- (4) मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त घोषणा उन कंपनियों जिनमें मेरे/हमारे प्रचुर हित **निहित है/या उन व्यक्तियों की कर्मों/एसोसिएशन जिसका मैं/हम क्रमशः भागीदार या सदस्य हूँ/हैं, में भी लागू होते हैं।

या

उपरोक्त घोषणा उन व्यक्तियों के लिए भी लागू होती है जो कि आवश्यक कर में या आवश्यक एसोसिएशन के सदस्यों या आवेदक फर्म के भागीदार में प्रचुर हित ** रखते हैं।

स्थान
दिनांक

हस्ताक्षर
पता
स्थायी निवास
निर्धारण करने वाले प्रायकर अधिकारी का पद
निर्धारण योग्य

*यदि जुमनि की लेखी के विरुद्ध कोई अपील की गई है और अपील प्रायकर सहायक आयुक्त या प्रायकर अपील अधिकरण में ककी पड़ी है तो, ऐसी सजा (पेनल्टी) इस घोषणा के लिए नहीं ली जानी चाहिए।

**“प्रचुर हित” शब्दों का वही अर्थ है जो कि प्रायकर अधिनियम, 1961, सेक्शन 40(ए) (2) में स्पष्ट है।

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्तूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	वर्ष का औसत
87	87	87	87	87	87	87	87	87	88	88	88	औसत

6. प्रकाशित समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का औसत आकार (वर्ग से.मी. में)
7. प्रति अंक पृष्ठों की औसत संख्या
8. प्रति प्रकाशन विवरण प्रकाशित पृष्ठों की औसत संख्या
9. वर्ष के दौरान (1) आयातित प्रकाशनी कागज की कुल खपत (टनों में)
10. वर्ष 1987-88 के दौरान सफेद प्रिंटिंग कागज की कुल खपत (टनों में)
11. आयात संवर्धन (भार. ई. पी. लाइसेंस) योजना के अन्तर्गत हासिल की गई प्रकाशनी कागज की खपत और 1987-78 के दौरान की गई खपत।

प्रकाशक के हस्ताक्षर
स्पष्ट अक्षरों में नाम
दिनांक

समयी लेखापाल का प्रमाणपत्र

मैंने/हमने वर्ष 1987-88 के दौरान प्रकाशित सर्वश्री----- (पत्र का नाम, भाषा और प्राधिकार) के पुस्तकों और लेखा की जांच कर ली है और मैंने/हमने अपेक्षित सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विचार से वर्ष 1987-88 के लिए दिया गया उपरोक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं लेखा पुस्तकों के अनुसार प्रदत्त विवरण में प्रसार संख्या, पृष्ठ की संख्या, आकार और प्रकाशन दिवसों की संख्या का सत्य एवं सही श्लेषण करता है।

दिनांक-----

हस्ताक्षर-----

समयी लेखापाल की मोहर

1. उस व्यक्ति का नाम एवं हस्ताक्षर जिसने प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।
2. पंजीकरण संख्या-----
3. पता-----

नोट : 1. यदि वर्ष के लिए औसत प्रसार संख्या, 2,000 प्रतिदिन प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हों तो प्रमाणपत्र समयी लेखापाल के नामांकन-पत्र पर टाइप होना चाहिए और उसके द्वारा विधिवत् प्रतिहस्ताक्षरित होने चाहिए।

2. सभी औसत महीनेवार संबंधित मास के दौरान निष्पादन के व्योरे के आधार पर लिए जाएं।

3. (7) में दिये जाने वाले आंकड़ों, मास के दौरान प्रकाशित सभी अंकों के कुल पृष्ठों के जोड़ को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग करके प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि (8) में दिए जाने वाले आंकड़ों का हिसाब इस प्रकार होगा :—

एक अंक के पृष्ठों की संख्या को उसके अंक के कुल प्रकाशित प्रतिदियों की संख्या से गुणा करने से तत्संबंधी प्रकाशन दिवस की कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या निकल आएगी। महीने के सभी प्रकाशन दिवसों के कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ लेना चाहिए। मासिक औसत संख्या प्राप्त करने के लिए इस कुल संख्या को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की कुल संख्या से भाग किया जाना चाहिए।

फार्म एस.पी. 3

प्रथम बार आवेदन करने वाले दैनिक/नियतकालिक पत्रों के प्रकाशकारी कागज के प्रारंभ के लिए आवेदन फार्म

1. समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का विवरण :

- (क) नाम :
- (ख) भाषा :
- (ग) प्राधिकार :
- (घ) प्रकाशन का स्थान :
- (ङ) पंजीयन संख्या :

2. तब्यूनतम घोषणापत्र शामिल करने की तारीख :

3. प्रकाशन के आरम्भ करने की तारीख :

4. प्रस्तावित मुद्रण हेतु प्रतिदियों की औसत प्रस्तावित संख्या :

- (क) बिजली की गई :
- (ख) मुक्त वितरित की गई :

5. मुद्रण का स्थान और मुद्रणालय का व्योरा :

(क) मुद्रणालय के मासिक का विवरण :

नाम :

पता :

(ख) छपाई की क्षमता :

बनाबट, माइल, प्रति घंटा गति तथा मशीन की वर्तमान क्षमता का उल्लेख करते हुए छपाई/कम्पोजिंग मशीन का विस्तृत विवरण :

6. क्या प्रकाशकारी कागज एजेंट द्वारा उठाया जायेगा :

7. यदि हाँ, तो एजेंट का विवरण लिखिये :

(क) नाम :

(ख) पता :

(ग) क्या उनका नाम भार.एस.आई. की सूची में है :

8. प्रकाशकारी कागज को किस्तों में भुगतान एक ही बार में बकर स्टॉक/आई.सी सेल से उठाने की प्रवधि :

9. स्वामी का नाम और पता :

घोषणा

मैं/हम इस बात की घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त विवरण मेरे/हमारे विश्वास और जानकारी के अनुसार सत्य और ठीक हैं।

स्थान :

तारीख :

प्रकाशक के हस्ताक्षर -----

नाम स्पष्ट अक्षरों में -----

पता -----

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 23rd August, 1988

Public Notice No. 1-PR-NP/88

F. No. 2/9/88-MUC.—In terms of para 6 of Appendix 5-Part B to the Import and Export Policy for April, 1988—March 1991 the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the Newsprint allocation Policy for the licensing year April 1988—March 1989 as given in the Annexure.

K. S. BAIDWAN, Jr. Secy.

ANNEXURE

NEWSPRINT ALLOCATION POLICY 1988-89

1. Applicability.

This Policy is applicable to the allocation of newsprint to which the Import and Export (Control) Act, 1947, Imports (Control) Order, 1955 and Newsprint Control Order, 1962 as amended from time to time, apply during the licensing year 1988-89 subject to such modifications as may be notified from time to time.

2. Definition

2.1 In this Policy a "newspaper shall mean any printed periodical work containing public news or comments on public news" as defined in the Press and Registration of Books Act 1867, as amended from time to time.

2.2 The expression "newsprint" used in this Policy includes such cream wove paper and super calender cream wove paper as may be allocated by the RNI in terms of this Policy.

3. Eligibility

3.1 Newsprint shall be allocated by the Registrar of Newspapers for India on submission of a formal application to such newspapers as are registered with the Registrar of Newspapers for India in accordance with the relevant provisions of the Press and Registration of Books Act 1867 as amended from time to time. A newly registered newspaper shall be eligible for allocation of newsprint from the date of registration or the date of application, whichever is later.

3.2 A newspaper shall be eligible for allocation of newsprint if it has a regularity of 90 per cent in case it is daily newspaper and 66-2/3 per cent in case it has any other periodicity, save in such cases where the shortfall in regularity has arisen because of reasons beyond the control of the publisher viz. strikes, lock-outs go-slow power shortage or similar causes.

2155 GI/88—1

3.3 Allocation of newsprint may also be authorised by the Registrar of Newspapers for India for the following :—

- (i) Transmission of news over teleprinters by news agencies;
- (ii) Trial printing by newspapers; and
- (iii) Printing of college and school magazines.

3.4 The following categories of publications although these may be registered with the Registrar of Newspapers for India as newspapers shall not be eligible for allocation of newsprint under this Policy :—

- (i) Journals published primarily to promote sale of goods or services;
- (ii) House journals/magazines brought out by undertakings/firms industrial concerns;
- (iii) Price Lists, catalogue directories and lottery news;
- (iv) Racing guides; and
- (v) Sex magazines.

4. Entitlement

4.1 The basic entitlement of newsprint for the licensing year 1988-89 of a newspaper/periodical will be determined on the basis of its consumption of newsprint, average annual circulation, average number of pages, average number of publishing days and average page area published during the preceding year. The entitlement of the licensing year will, however, be calculated for 365 days. The quantity of Writing and Printing Paper etc., consumed during 1987-88 will be taken into account only if it is over and above the quantity of newsprint allocated to the newspaper by the Registrar of Newspapers for India.

4.2 All the editions of a newspaper/periodical bearing the same title, having the same periodicity, published in the same language and owned by the same owner either published from the same place or from different places, would be clubbed together and their category and entitlement of newsprint will be calculated on the basis of performance particulars in respect of all the editions taken together.

4.3 A newspaper/periodical whose circulation claim has been declared unestablished by the Registrar of Newspapers for India will not be eligible for newsprint unless the circulation has been re-established for the same year or until the circulation has been re-established for a subsequent year. In case of newspapers/periodicals whose circulation has been assessed by the Registrar of Newspapers for India to be lower than the claimed circulation in the past, the entitlement will be worked out on the basis of the circulation as assessed by the Registrar of Newspapers for India. Such a newspaper/periodical will not be eligible for revision of its entitlement during the licensing year. In case, a newspaper/periodical is found to have given a false statement about its performance or circulation, it shall render itself

liable for being debarred from allocation of newsprint for a specific period which may extend upto one year in the manner indicated below :—

Exaggeration	Debarred for
Upto 10 per cent	Exempted
Above 10 per cent & upto 25 per cent	3 months
Above 25 per cent & upto 50 per cent	6 months
Above 50 per cent & upto 75 per cent	9 months
Above 75 per cent	One year

4.4(a) A fresh applicant who commences publication for the first time or otherwise approaches the Registrar of Newspapers for India for the first time for allocation of newsprint will be allowed an initial quota of newsprint for four months as determined by the Registrar of Newspapers for India upon his satisfaction of the projection of circulation by the applicant, subject to a maximum of 10,000 (ten thousand) copies per issue of 8 standard pages (2460 sq. cms.) in the case of dailies and 16 standard pages in the case of periodicals. Such a newspaper as receives initial quota of newsprint should produce within a fortnight after three months of the release of newsprint evidence of proper utilisation of newsprint in Form NP-II. Thereafter, its entitlement during the licensing year will be determined on the basis of actual performance and the balance quota, if any, shall be released on submission of a formal application

4.4 (b) A newspaper which has failed to apply for newsprint during the preceding year shall be treated as a fresh applicant unless such failure has been for reasons beyond the control of publisher. This provision will, however, not apply to newspapers which are treated as clubbed for allocation of newsprint.

4.4. (c) In case a newspaper changes its periodicity, it will be treated as fresh applicant for the purposes of allocation of newsprint.

4.4 (d) A fresh applicant will be entitled to get newsprint from the date of receipt of its application in the office of the Registrar of Newspapers for India.

4.5 The circulation of a newspaper will be determined by taking into account, (a) the number of copies sold, and (b) the number of copies distributed free, returned unsold or printed but neither sold nor distributed free provided these do not exceed the following percentage of the respective print order :

Circulation	Dailies/ tri & bi- weeklies	Weeklies and fortnightlies	Others
Upto 5,000	10%	15%	20%
From 5,001 to 10,000	10%	10%	15%
Above 10,000	5%	5%	10%

4.6 In working out the basic entitlement, RNI may, as considered appropriate by him in each case and relying on the normal average consumption, ignore :

- (i) abnormal short-term fall in circulation arising from special circumstances including strikes/lock-outs or other similar reasons; and
- (ii) abnormal short-term increase in circulation attendant upon the closure/disruption of working of competing newspapers or any other extraordinary circumstances.

4.7 If a newspaper had not utilised any portion of newsprint allotted to it during any previous year, the unutilized quantity will be deducted from its entitlement for 1988-89.

4.8 Extra newsprint upto the limits indicated below will be allowed to newspapers as wastage compensation :—

- | | |
|---|----|
| (i) For all newspapers | 5% |
| (ii) For periodicals in the case of multi-coloured printing | 7% |

4.9 The basic entitlement of a newspaper for imported newsprint as also for indigenous newsprint, inclusive of wastage compensation, will be worked out on the basis of 50 GSM. Actual release will be made after making proportionate adjustments as per the grammage of newsprint involved.

5. Procedure for Submission of Applications :

5.1 Applications for allocation of newsprint should be made by the publisher or a person duly authorised by him in this behalf in Forms NP-1 and NP-2 and should be addressed to the Registrar of Newspapers for India, West Block-VIII, Wing-2, R. K. Puram, New Delhi-110066.

5.2 Applications for allocation of newsprint should be accompanied by : (a) performance particulars certificate for the preceding year in Form NP-II; (b) a copy of the Annual Statement for the calendar year 1987, complete in all respects; and (c) specimen issues of the newspaper as specified by the RNI. In the case of the newspaper whose average circulation exceeds 2000 copies per publishing day, its performance particulars certificate should be duly signed by a Chartered Accountant.

5.3 Applications for initial quota by newspapers vide para 4.4(a) should be made in Form NP-3.

6. Last Date :

6.1 The last date of receipt for applications for allocation of newsprint for the year 1988-89 is 30th September, 1988.

6.2 All applications received thereafter are liable to be rejected. However, if the applicant gives the valid reason and the delay is not attributable to the applicant, RNI may consider the request on merits. In such cases newsprint will be given from the date of receipt of application in the RNI office.

7. Allotment of newsprint

7.1. Allotment of newsprint will generally be made in reels. A newspaper printed on sheet-fed machine will, however, receive its entitlement only in sheets. In case, sheets are not available, the entitlement will be raised by 5 per cent for conversion of reels into sheets on giving proof that printing is actually carried out only in sheets.

7.2. A newspaper with an entitlement of 200 metric tonnes or below will have the option to obtain indigenous or imported newsprint either in part or in full.

7.3. (a) The allocation of newsprint for a newspaper whose entitlement is above 200 metric tonnes will be as follows :—

Imported	32%
Mysore Paper Mills Ltd.	17%
Hindustan Newsprint Mills Ltd. (Kerala)	19%
Tamilnadu Newsprint & Papers Ltd.	17%
National Newsprint & Paper Ltd. (NEPA)	15%

The above percentages are indicative. The servicing of the imported newsprint is subject to the availability of foreign exchange. In the event of any shortfall in the availability of imported newsprint, the newspaper will have the option to obtain cream wove paper within the overall allocations made by the RNI.

7.3. (b) Newsprint produced by Sree Rayalseema Paper Mills Pvt. Ltd. will be utilised for servicing of backlog as mentioned in Para 9 of this Policy and adhoc allocations to be decided by RNI on merits.

7.4. 25% of the imported newsprint should be lifted from State Trading Corporation's buffer stock. Newspapers, periodicals with annual entitlement of 50 MT or below will have the option to lift the entire quantity or part thereof from buffer stock.

7.5. Only periodicals which have been in regular publication and have multi-coloured printing requirement may be allocated glazed newsprint and/or super calender cream wove paper subject to availability. Fresh applications will be considered on merits.

7.6. In the case of a fresh applicant, who commences publication for the first time or otherwise approaches Registrar of Newspapers for India for newsprint for the first time only indigenous newsprint will be allocated to it for the first twelve months from the date of receipt of application. Further entitlement will be released only after proof is adduced that the quota released in indigenous newsprint has actually been lifted and consumed by the newspaper concerned.

7.7. The allotment from different sources may be revised/varied for such reasons as the availability of newsprint, maintenance of buffer stock or any other reason.

7.8 If a shipment is not effected within 120 days of receipt of letters of credit by State Trading Corporation, efforts will be made to allot proportionate tonnage from the buffer stock on high seas sale basis which will be later replenished.

8. Distribution.

8.1 The work relating to distribution of imported newsprint will be handled entirely by the STC as authorised by the RNI in accordance with this Policy and in compliance with the provisions of the Newsprint Control Order, 1962.

8.2 A newspaper which is given allotment on high seas sale basis will be allowed to take delivery directly or through its duly authorised agent(s).

8.3 Authorisations for the entitlement of newsprint will be issued by the Registrar of Newspapers for India on quarterly basis on receipt of formal request along with the proof of lifting of newsprint allocated as per the previous authorisation(s). Authorisations for indigenous newsprint will be issued direct to the mills concerned. In case the annual entitlement of a newspaper is 50 metric tonnes or less, the RNI may in his discretion allocate newsprint to such newspapers on annual basis or as otherwise deemed appropriate.

8.4 A newspaper shall lift its allotment from high seas sale of buffer stock or from indigenous mills within three months from the date of issue of authorisations. Wherever applicable, it shall be incumbent upon the newspaper to first lift the indigenous quantity. Allocations for the subsequent quarters will be made on the basis of the lifting of newsprint during the previous quarter(s) and imported newsprint shall be withheld proportionate to the quantity not lifted from the scheduled indigenous newsprint mills. Whatever quantity of imported newsprint remains withheld at the end of licensing year on account of non-lifting of indigenous newsprint, shall stand forfeited along with the non-lifted quantity of indigenous newsprint.

8.5 Revalidation of an authorisation will be allowed by the Registrar of Newspapers for India during the licensing year, considering each case on merits.

8.6 If a newspaper is found to have given a false certificate about the lifting of indigenous newsprint allocated to it, it may be debarred from further allocation of newsprint for a specified period which may go upto one year.

9. Backlog.

9.1 As provided in Para 9.1 of the Newsprint Allocation Policy for 1986-88, the third and last instalment of unserviced quantity of backlog from 1982-83 to 1985-86 will be serviced during the licensing period 1988-89 to only those newspapers who may have lifted the first and second instalment of the said backlog. The backlog of standard newsprint will be given from indigenous sources, while that of glazed will be given in the same variety.

9.2 Applications for allocation of unserviced quantity of newsprint should be made to the RNI in writing with lifting proof of second instalment of backlog latest by 30th September 1988.

10. Unauthorised use of newsprint :—

No newspaper shall transfer to or receive from another newspaper, newsprint even though the concerned newspapers have the same ownership or have been allowed to club their entitlement. However, the RNI may, in his discretion, allow such transfers of newsprint by one newspaper to another by way of loan for a period not exceeding three months provided the transferer and the transferee give intimation to the Registrar of Newspapers for India within 30 days thereof. A newspaper indulging in such unauthorised transactions may render itself liable to action which may extend to deduction in full or part of the quantity involved from its entitlement.

11. Submission of Certificates regarding Consumption :—

11.1 A newspaper which is allotted newsprint shall submit to the Registrar of Newspapers for India a Performance Particulars Certificate for 1988-89 in Form NP-II not later than 30th June, 1989 duly certified by a Chartered Accountant if the circulation is over 2,000 copies per publishing day.

11.2 A newspaper which suspends or ceases publication shall submit to the Registrar of Newspapers for India a Performance Particulars Certificate in Form NP-II within a month of suspension/cessation of its publication. It shall also surrender the newsprint not utilised by it as per directions of the Registrar of Newspapers for India.

12. Growth Rate and Revision :—

12.1 While assessing the overall demand of newsprint for the licensing year, provision shall be made

for growth of 5 per cent to take care of the requirements arising from fresh applicants and increase in circulation during licensing year. Each case shall however be considered on its merits.

12.2 A newspaper which secures the basic entitlement for 1988-89 can apply once during the year for upward revision of the allocation on the basis of increase in its circulation and number of pages, provided such an application is accompanied by performance certificate in Form NP-2 duly certified by Chartered Accountant (where circulation is more than 2000 copies) and covers a period of not less than 8 months as on 30th November 1988. Such applications should reach the Office of the Registrar of Newspapers for India along with sample issues of different dates by 31st December 1988.

12.3 Additional requirements of newsprint arising from the revision of entitlements during the licensing year shall be serviced from the scheduled indigenous newsprint mills. In the case of glazed newsprint also such additional requirements shall be serviced from the indigenous sources, viz. indigenous variety of super calender cream wove paper.

13. Exceptions :—

Notwithstanding anything contained in this Policy, the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting may waive any of the requirements or relax any of these provisions for good and sufficient reasons.

14. Forms :—

Specimen Forms NP-I, NP-II and NP-III are attached.

FORM NP-1

APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF NEWSPRINT TO NEWS PAPERS/PERIODICALS

PART-I

1. Name of the Newspaper/Periodical and Language and periodicity
2. Name and Address of the Owner
3. Name of the Publisher
4. Place of Publication
5. Place of Printing
6. (a) Date from which newspaper/periodical is regularly published.
(b) Registration Number as given by Registrar of Newspapers for India
(c) Date of filing the latest declaration with District Magistrate
7. Nature of concern i.e. public/private proprietorship etc. and name of Directors/Partners etc.
8. Name and particulars of other newspaper/periodicals owned

Title of the paper	Language & periodicity	Place of Publication	Whether getting newsprint through Govt.
(1)	(2)	(3)	(4)

9. Quantity/Value of newsprint required for 1988-89.
10. (a) Phased delivery requirement
(b) Name of the agent authorised, if any
11. Particulars of newsprint consumed during 1987-88

Item No	Qty. in Mts.	Variety	Source	Value
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

12. Last licensing year in which newsprint was taken from the Office of RNI (specify quantity of indigenous and imported newsprint)
13. (a) Type of Machines
(b) Whether newsprint required in rolls or
(c) Size of rolls/sheets required

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any allotment made to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Govt. may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statement or facts herein are incorrect or false.

2. I/We declare that the newsprint, if allotted, will be used in our press/premises/establishments at the above mentioned address.

3. I/We also fully understand that the allocation of canalised time(s) through the canalising agency is made under the Import Control Regulations and violation of the condition on which such goods are released to me/us and any misuse of such goods will attract the provisions of Imports and Exports (Control) Act, 1947 as amended and orders issued thereunder.

4. I/We have noted the relevant provisions contained in the Import Policy/Hand Book of Import Export Procedure 1988-91.

Place :

Signature of
the Publisher

Date :

Name in Block letters —

Address.....

PART-II

INCOME TAX DECLARATION

(a) In case of persons not having taxable income

I/We hereby solemnly declare that I/We are not liable to pay any Income Tax including advance tax as the income earned by me/us during the current accounting year and last four accounting years has been below the maximum limit not chargeable.

(b) In case of persons having taxable income

1. I/We have furnished to the Income-tax Department the return(s) of income due from me/us till date.
2. I/We have paid all taxes including advance tax due from me/us under the Income Tax Act other than the tax demand which has been stayed by the Competent Authority.
3. I/We have not been *penalised/convicted for concealment of income/wealth during the last three calendar years. I/We hereby solemnly declare that the above declaration also applied in case of companies in which I/We am/are holding substantial **interest or the firm or associations of persons in which I/We am/are Partner(s) or member(s)

OR

..... is applicable in case of persons having substantial interest in the applicant Company or in any association or Partners of the Applicant firm.

Ides :

Signature of the
owner

Ides :

Address

Permanent A/C No.

Designation of the

ITO with whom assessed

Assessable

*If an appeal has been filed, against the levy of penalty and the appeals is pending before the Appellate Assistant Commissioner of Income Tax Appellate Tribunal such penalty need not be taken for the purpose of this declaration.

**The words "substantial interest" shall have the same meaning as in the explanation to Section 40A(2) of the Income Tax Act 1961.

FORM NP-II

FORM OF PERFORMANCE PARTICULAR CERTIFICATE REGARDING CIRCULATION ETC. FOR THE PERIOD
FROM 1-4-1987 TO 31-3-1988

1. Name of the Newspaper/Periodical
2. Place of Publication
3. Language
4. Periodicity
5. During the month of

G

Apr.	May	June	July	Aug.	sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan.	Feb.	Mar.	Average for the year
87	87	87	87	87	87	87	87	87	88	88	88	

- (i) Actual number of publishing days
- (ii) Average number of copies printed per publishing day
- (iii) Average number of copies sold per publishing day
- (iv) Average number of copies distributed free per publishing day (including complimentary, voucher, exchange, bonus, sample and office copies)
- (v) Average number of unsold returns and other copies printed but not included in (ii) & (iv)
- (vi) Average size of the newspaper/periodical published (in sq. cms.)
- (vii) Average number of pages per issue
- (viii) Average number of pages printed per publishing day
- (ix) Total consumption of newsprint during the year (in tonnes)
 - (a) imported
 - (b) indigenous
- (x) Total consumption of white printing paper during the year 1987-88 (in tonnes)
- (xi) Consumption of newsprint obtained under the scheme of Export Promotion (REP licences) and consumed during 1987-88.

(Signature of the publisher)

(Name in Block Letters)

Date

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT

I/We have examined the books and accounts of M/s.....name, language and periodicity of the paper published, for the year 1987-88 and have obtained all the information and explanation required by me/us. In my/our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis of circulation, page, size and number of publishing days for the year 1987-88 to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Date

Signature

Stamp of the Chartered Accountant.

1. Name and signature of the person who has signed the certificate.....
2. Registration No
3. Address

Note :

1. If the average circulation for the year is more than 2,000 copies per publishing day, the certificate should be typed on the letterhead of the Chartered Accountant and should be duly countersigned by him.
2. All the average have to be given monthwise on the basis of the particulars of performance during the relevant month.
3. The figures to be given against (vii) should be arrived at by adding the total number of pages of all the issues published during a month and dividing the total by the number of publishing days in that month, while the figures against (viii) should be worked out like this : The number of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed of that issue will give the information about the total number of pages printed on the relevant publishing days. The total number of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly averages should be arrived at by dividing this total by the total number of days in that month.

FORM NP—III

APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF NEWSPRINT TO DAILIES/PERIODICALS APPLYING FOR THE FIRST TIME

1. Particulars of the Newspaper/Periodical :—

- (a) Name
- (b) Language
- (c) Periodicity
- (d) Place of Publication
- (e) Registration Number

2. Date of filing the latest Declaration :

3. Date of commencement of the Publication :

4. Average number of copies proposed to be printed :

- (a) Sold
- (b) Distributed free

5. Place of printing and particulars of the Press :

- (a) Particulars of the owner of the Press :
Name :
Address :

(b) Printing capacity :

Details of printing/composing machine indicating the make, model, speed per hour and present life of the machine.

Whether newsprint is to be lifted through agent :

7. If so, the particulars of the agent :

- (a) Name
- (b) Address
- (c) Whether listed with RNI

8. The term of lifting newsprint in instalments or in one lot/buffer stock/high seas sale:

9. Name and address of the Owner :

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statement is true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

Signature of the Publisher.....

Place :

Name in Block Letter

Date :

Address.....